विदर्भ स्वाभिमान

संपादक - सुभाषचंद्र जमुनाप्रसाद दुबे

9423426199/8855019189.

❖ अमरावती, गुरूवार 10 से 16 अक्तूबर 2023 ❖वर्ष :15 ❖ अंक- 16 ❖ पृष्ठ 8 ❖ मूल्य - 4/- पोस्टल रजि.नं ATI/RNP/268/2022-2024 ❖डाक : शुक्रवार-शनिवार

बाबूजी के आदर्श विचार

खुशियों के कुछ टिप्स

पैसे का लालची व्यक्ति जीवन में कभी किसी रिश्ते को ईमानदारी से नहीं निभाता है. ऐसे लोगों के जीवन के अंतिम क्षण अत्याधिक बेकार जाते हैं. अपनों पर भरोसा करने वाला धोखा खाकर भी सदैव आगे बढ़ता है, शक करने वाला सदैव आगे बढ़कर भी पीछे लौटने में समय नहीं लगता है.

पेज नंबर 2

आग लगाने वालों की दुनिया में बुझाने वाले भी हैं भरपूर

पेज नं.2

महामानवों की प्रतिमा के साथ उनके विचारों का भी सम्मान करना चाहिए

पेज नं.3

कर्म के साथ धर्म का बेहतरीन कांबिनेशन हैं लक्षु भैया

पेज नं. 8

अच्छा करने वालों का बुरा कभी नहीं होता है, राष्ट्र धर्म से बड़ा कोई धर्म नहीं-अभिषेक पंजाबी

धर्म, मानवता और संस्कारों को बढ़ावा देने वाला, पूरी तरह से सकारात्मक खबरों को प्राथमिकता देने वाला देश का एकमात्र हिंदी साप्ताहिक अखबार

किसकी होगी राज्य में सरकार

लोकलुभावन योजनाएं कितना तारेंगी महायुति को, महाविकास का समर्पण ही तय करेगा उनका भविष्य, सर्वेक्षण में लोगों ने सभी को बताया एक ही थाली का चट्टा-बट्टा

विदर्भ स्वाभिमान,9 अक्तूबर

मुंबइ-राज्य में लोकसभा में चुनाव के बाद पूरे देश में महाराष्ट्र के आसन्न विधानसभा चुनाव की क्या स्थिति होगी, इस पर चर्चा शुरू हो गई है. लेकिन यह सच है कि राष्ट्र धर्म सबसे बड़ा है. लेकिन केवल धर्म के नाम पर ही चुनाव नहीं जीता जा सकता है. ऐसा नहीं होता तो अयोध्या की सीट भाजपा नहीं हारती थी. लोगों में समय के साथ समझदारी आ रही है. राष्ट्रधर्म को सभी मानते हैं लेकिन साथ ही केवल लोकलुभावन घोषणाओं से चुनाव जीतने की संभावना को भी लोग खारिज करते हैं. राज्य में विधानसभा चुनाव में महायुति या महाविकास आघाड़ी जीतेगी, यह फिर त्रिशंकु की स्थिति होगी, यह भी कई लोगों के मन में हैं. कुछ तो स्पष्ट कहते हैं कि पार्टियों तथा राजनेताओं की कथनी और करनी पर उन्हें भरोसा ही नहीं है. कुर्सी के लिए यह क्या करेंगे, इसका कोई अनुमान नहीं है. महाराष्ट्र की राजनीति में पांच साल में जो-जो चीजें हुई हैं, वह कभी लोगों को अपेक्षित नहीं थी. आगामी चुनाव में कांटे का मुकाबला महायुति तथा महाविकास में तय है.

लोकसभा चुनावों के बाद महाराष्ट्र में विधानसभा चुनावों को लेकर राजनीतिक सरगर्मी शुरू हो गई है. चुनावों को देखते हुए सत्ता महायुति सरकार ने लोकलुभावन बजट पेश किया है. इसमें महिलाओं को 1500 रुपये प्रति महीने से लेकर किसानों और युवाओं के लिए बड़े ऐलान किए गए हैं लेकिन महाराष्ट्र में अगर अभी चुनाव हो जाएंगे तो क्या महायुति सरकार लौट पाएगी या फिर नहीं? लोकसभा **शेष पेज 2 पर**

अमरावती का चुनाव होगा चौकाने वाला

विधानसभा चुनाव को लेकर संभ्रम,कौन होगा प्रत्याशी

विदर्भ स्वाभिमान,9 अक्तूबर

अमरावती- राज्य में विधानसभा चुनाव को लेकर सरगर्मी बढ़ रही है. अमरावती तथा बडनेरा की सीट पर जहां सभी की नजरें लगी हैं, वहीं दूसरी ओर सभी दलों में एक अनार,सौ. बीमार वाली स्थिति है. दस साल अमरावती विकास में पीछे जाने की चर्चा करने वाले जहां हजारों हैं, वहीं दूसरी ओर शहर विकास के लिए विधायक सुलभा खोड़के के कार्यों की सराहना करने वालों की कमी नहीं है. इस बार के चुनाव में वे अजीत पवार की राकांपा से मैदान में उतरने वाली हैं. महायुति की प्रत्याशी के साथ ही बडनेरा में विधायक रवि राणा द्वारा करोड़ों रूपए का विकास काम किया गया है. यह जहां उनका प्लस है, वहीं लोकसभा चुनाव को ध्यान में रखते हुए इस बार उन्हें हराने के लिए बड़ा प्रयास होने की जानकारी मिली है. ऐसे में महायुति द्वारा प्रत्याशी घोषित करने के बाद भी उन्हें अत्याधिक सतर्क रहना होगा. दर्यापुर, अचलपुर, मेलघाट के साथ तिवसा की सीट पर भी इस बार भारी उलटफेर की संभावना राजनीतिक पंडित जता रहे हैं. महायुति की पहली सूची में सबसे ज्यादा सीटें बीजेपी को मिलेंगी. गठबंधन को लेकर ईमानदारी दोनों ही गठबंधनों को तार सकता है. वर्ना नवनीत राणा के साथ गठबंधन धर्म में कमी के कारण जीतने वाली सीट हारने की बात को इंकार नहीं किया जा सकता है.

विदर्भ स्वाभिमान

संपादकीय

आग लगाने वालों की दुनिया में बुझाने वाले भी हैं

शहर में शांति कुछ लोगों को अच्छी नहीं लगने वाली स्थिति पैदा हो गई है. लोग आज विभिन्न समस्याओं से त्रस्त हैं लेकिन ऐसे तत्व केवल और केवल अपना उल्लू सीधा करने के लिए दो समुदायों के बीच आग लगाने का काम करते हैं. फिर चाहे गलत बयानी देने का मामला हो, किसी धर्म के खिलाफ टिप्पणी की बात हो, अमरावती शहर पहले से ही शांत शहर रहा है. यहां लोगों में सदैव समझदारी देखी गई है. लेकिन विगत कुछ समय से शहर में अलग-अलग विषयों को लेकर जिस तरह से आग लगाने का प्रयास हो रहा है, उससे आम आदमी भी नाराज और बिचलित हो गया है. नागपरी गेट थाना क्षेत्र पर किया गया पथराव इसी का द्योतक है. अचानक इतने सारे पत्थर कैसे आए, पुलिस जब बात सुनने तैयार थी तो अचानक इस तरह का तनाव पैदा करने के पीछे जो भी लोग हों, उनके खिलाफ कठोर कार्रवाई की जानी चाहिए. इतना ही नहीं तो ऐसे चेहरों को बेनकाब करते हुए पुलिस को चाहिए कि वह समाज के सामने ऐसे चेहरों को लाए. शुक्रवार की रात नागपुरी गेट थाने पर पथराव व उपद्रव मचाने के पीछे अवैध धंधे वालों का हाथ होने की आशंका जताई जा रही है. वैसे भी शहर में पिछले कुछ महीनों से कुख्यातों तथा अवैध धंधों के खिलाफ पुलिस द्वारा कठोर कार्रवाई की जा रही है. शहर में कहीं एमडी, वरली मटका, जुआ, गौवंश व गुटखा के खिलाफ पुलिस कार्रवाई से अवैध धंधे वाले भी परेशान हैं, पुलिस का ध्यान भटकाने के प्रयास के तहत यह हरकत करने से इंकार नहीं किया जा सकता है. लेकिन जिस तरह से पुलिस द्वारा मामले में तत्काल पहल की गई और कार्रवाई की गई और शहर को असामाजिक तत्वों द्वारा आग लगाने की कोशिश में विफल किया गया, उसके लिए पुलिस आयुक्त तथा जवानों की सराहना की जानी चाहिए. जिस मामले को लेकर विरोध किया जा रहा था, उस मामले में पुलिस द्वारा सहयोग वाला रवैया अख्तियार किया गया था. शुक्रवार को दोपहर से शांतिपूर्ण विरोध प्रदर्शन के चलते पुलिस ने रात 8 बजे यति नरसिंहानंद पर एफआईआर दर्ज करने की सूचना प्रदर्शनकारियों को भी दी गई थी. इसके बाद विषय वहीं खत्म हो जाना चाहिए थे. लेकिन जिस तरह से थाने पर पत्थर बरसाए गए, इससे यह बात तय है कि मामले को भड़काने की सोची-समझी योजना पहले ही तैयार हो गई थी. वर्ना इतने पत्थर दंगाईयों के पास कहां से आए. अमरावती में किसी थाने पर इस तरह पथराव की इस घटना से कई सवाल पैदा होते हैं. लेकिन मामले में पुलिस द्वारा जिस तरह से समझदारी का परिचय दिया गया और दंगाईयों के मंसूबों को फेल किया गया, उसकी भी सराहना की जानी चाहिए. शहर को आग के हवाले करने का प्रयास करने वाले चाहे कितने भी ऊंची पहुंच वाले क्यों नहीं हों, ऐसे लोगों के खिलाफ सख्त से सख्त कार्रवाई करनी चाहिए. ताकि इनका हश्र देखकर बाकी कोई कोशिश नहीं करे. शहर में अमन शांति की जितनी जिम्मेदारी पुलिस की हो, उतनी ही जिम्मेदारी शहरवासियों की भी है. शहर में शांति सभी की जिम्मेदारी है. चुनाव तक यह स्थिति पैदा होकर पुलिस का दबाव बढ़ेगा. लोगों को भी समझदारी का परिचय देना चाहिए. शहर शांति रहने पर ही विकास हो सकता है.

विचारों का सम्मान करना सीखें

विदर्भ स्वाभिमान
www.vidrabhswabhiman.com 9423426199

देश के नेताओं को लेकरआम आदमी में विश्वास तेजी से घट रहा है. वैसे भी विगत कुछ वर्षों में बोले तैसा चाले वाले नेताओं का तेजी से अकाल हो रहा है. दलाली से राजनीति और बाद में पद प्रतिष्ठा हासिल करते हुए करोड़ों की माया जमा करते हैं और समाज में ऐसे लोगों को जिस पर जज की जिम्मेदारी होती है, वह मीडिया महिमामंडित कर उन्हें महान बना देता है, जबकि सच्चाई यह है कि इनके लिए सगे भी कभी सगे नहीं होते हैं. बल्कि वे कुर्सी के सिवाय किसी के नहीं होते हैं. राज्य में आज छत्रपति शिवाजी महाराज, नेताजी सुभाषचंद्र बोस, भारत रत्न डॉ.बाबासाहब आंबेडकर, महात्मा गांधी की प्रतिमा को लेकर भी राजनीती की जाती है. जबकि सच्चाई यह है कि इन नेताओं के विचारों का सम्मान पूरे विश्व में होता है. वे कभी प्रतिमा के मोहताज नहीं है. छत्रपति शिवाजी महाराज जैसे आदर्श राष्ट्र धर्म को समर्पित राजा विश्व में शायद ही कहीं हुआ है. उनके अगर विचारों पर यह नेता चलते तो छत्रपति शिवाजी महाराज के विचारों पर चलने से ही देश का भला इतना होता कि उनकी प्रतिमा की जरूरत कभी नहीं पड़ती ही नहीं है.

कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी महाराष्ट्र के कोल्हापुर के दौरे पर हैं. कोल्हापुर के कस्बा बावड़ा में छत्रपति शिवाजी महाराज की प्रतिमा का अनावरण राहुल गांधी ने जन समर्पण और संविधान सम्मान सभा के लिए किया. इस मौके पर उन्होंने छत्रपति शिवाजी महाराज को लेकर जोरदार भाषण दिया. उन्होंने कहा कि छत्रपति शिवाजी महाराज के प्रति मेरे मन में बहुत सम्मान है और इसीलिए मैं उनकी प्रतिमा का अनावरण करने आया हूं. राहुल गांधी ने बीजेपी पर तंज कसते हुए कहा कि मूर्ति बनाने से कोई फायदा नहीं है, अगर उनके विचारों को लागू नहीं किया गया है.प्रतिमा का अनावरण करने से पहले राहुल गांधी ने जनसभा को संबोधित करते हुए सिंधुदुर्ग जिले के राजकोट किले में मराठा शासक की स्थापित प्रतिमा के ढहने को लेकर बीजेपी सरकार को आड़े हाथों लिया और कहा कि पार्टी की विचारधारा सही नहीं है. गांधी ने कहा कि लोगों को भयभीत करने, देश में संविधान और संस्थानों को बर्बाद करने के बाद शिवाजी महाराज के समक्ष शीश झुकाने का कोई औचित्य नहीं है. कांग्रेस नेता की टिप्पणी साफ तौर से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को निशाना बनाकर की गई. इन्होंने शिवाजी महाराज और उनकी प्रतिमा ढहने से आहत लोगों से माफी मांगी थी. अमरावती में भी एक धार्मिक कार्यक्रम में दो नेताओं के भाषण सुनने के बाद दिल में हैरत हुई कि नेता इतने कैसे गिर सकते हैं.

आसान नहीं होगी महायुति की राह

पेज 1 से जारी- चुनावों के बाद महाराष्ट्र में किस तरह की तस्वीर का निर्माण हो रहा है? इन सवालों को लेकर राज्य के वरिष्ट सेफोलॉजिस्ट और राजनीतिक विश्लेषक दयानंद नेने ने एक सर्वे किया है. यह सर्वे जून (20 से 25 जून) के आखिरी में किया गया है. इसमें उन्होंने महाराष्ट्र की बड़ी पिक्चर की जिक्र करते हुए अनुमान व्यक्त किया है.अपने सर्वे को लेकर दयानंद नेने कहते हैं कि सर्वे में महाराष्ट्र की मौजूदा तस्वीर समाने आई है. आगे 100 दिन क्या होगा? इसको लेकर कुछ नहीं कहा जाता है आज की स्थिति में महाविकास आघाडी (एमवीए) आगे है. महायुति की सरकार जाती दिख रही है. नेने कहते हैं इस साल जनवरी में जब राम मंदिर में रामलला की प्राण प्रतिष्ठा हुई थी तब ऐसा नहीं लग रहा था कि महाराष्ट्र में महायुति लोकसभा चुनावों में बुरी तरह हारेगा, लेकिन इसका उलटा हुआ. महाविकास आघाडी को 30 सीटें मिली और महायुति को 17 सीटें मिल पाईं. 1 सीट अन्य को चली गई.नेने कहते हैं कि सर्वे में मुख्य सवाल था कि अगर आ चुनाव हो जाए तो किसे वोट करेंगे? इसमें दो ही विकल्प थे. महायुति और महाविकास आघाडी. इस सर्वे में यह 154 सीटों पर महाविकास आघाडी (अतरिक्त सीटों अन्य को) के जीतने का अनुमान सामने आया है. 121 सीटें महायुति के खाते में जाती दिख रही है.

अमरावती जिले में संभ्रम

राज्यस्तर पर विधानसभा चुनाव को लेकर संभावनाओं के बीच इस बार के चुनाव में महायुति को झटका लगाने की आशंका जताई जा रही है. अमरावती शहर सहित जिले की सभी विधानसभा सीटों को लेकर संभ्रम वाली स्थिति है. महायुति अथवा महाविकास में उम्मीदवार अभी तक तय नहीं हुए हैं. एक स्थान से दोनों ही गठबंधन के कई-कई प्रत्याशी रहने से खिचड़ी वाली स्थिति है.

सास से तोड़फाड़, बहू से नाता

राज्य सरकार द्वारा लाड़ली बहनों को 1500 रूपए दिया जा रहा है. लेकिन महंगाई जिस तेजी से बढ़ी है, उससे लगता है कि बहनों को देते हुए बहनोई को लूटने वाला काम किया जा रहा है. 1500 रूपए महीना देकर लोगों की जेब से 3000 रूपए महंगाई के नाम पर लूटने का गोरखधंधा लोगों के ध्यान में आ रहा है. स्टैम्प की कीमत बढ़ाने से लेकर जिस तरह से जीवनावश्यक वस्तुओं की कीमतों में वृद्धि हुई है, उससे लोगों का जीना दुश्वार हो रहा है. लोगों का खुलेआम कहना है कि वोट बैंक की राजनीति में महिलाओं को खुश करने का यह प्रयास उनके पति को नाराज करने से कभी फलित नहीं हो सकताहै. यह तो वैसे ही है कि सास के साथ नाराजी रखकर मैं बहू के साथ अच्छा बनने का प्रयास कर रहा हूं. महंगाई ने लोगों को त्रस्त कर दिया है. बढ़ती महंगाई ने लोगों को तनाव देने का काम किया है.

विदर्भ स्वाभिमान
यह समाचार पत्र मालिक, प्रकाशक,संपादक सुभाषचंद्र जमुनाप्रसाद दुबे द्वारा एस.बी.प्रिंटर्स द्वारा दत्त पैलेस गांधी चौक अमरावती में मुद्रित कर विदर्भ स्वाभिमान कार्यालय,छाया कॉलोनी,अकोली रोड,अमरावती में प्रकाशित किया गया है.मोबाइल नंबर 9423426199/8855019189.अखबार में प्रकाशित होने वाले विभिन्न पत्र,साहित्य,लेखकों,कवियों के विचारों व तथ्यों पर आधारित होते हैं. इनसे संपादक की सहमति अनिवार्य नहीं है.संपादक सुभाषचंद्र जमुनाप्रसाद दुबे (संपादकीय दायित्व हेतु जिम्मेदार), मुख्य प्रबंधक- सौ.वीणा सुभाषचंद्र दुबे.Email-vidarbh.swabhiman@gmail.com.www.vidrabhswabhiman.com

क़र्मठ,भक्तिभाव से परिपूर्ण हम सभी के चहेते लक्षू भैया

क़र्म के साथ धर्म का बेहतरीन कांबिनेशन देता है युवाओं को प्रेरणा

ग़ड़गड़ेश्वर महादेव कथा के पर्दे के पीछे के महत्वपूर्ण योद्धा

अमरावती- शहर के इतिहास में मित्रता की मिसाल साबित होने के साथ ही प्राचीन गड़गड़ेश्वर महादेव मंदिर में सम्पन्न उज्जैन के उन्हें के पूज्य शिव गुरूजी महाराज की शिव महापुराण कथा ने नया इतिहास दर्ज किया. इस कथा के प्रवक्ता पूज्य शिव गुरूजी महाराज ने जहां कथा के माध्यम से हजारों भक्तों के जीवन में भक्ति का प्रकाश जगाया, वहीं अपने कामों से पुलिस विभाग की शान ऊंचा करने के साथ ही भोले के अनन्य भक्त प्रवीण बुंदेले उर्फ लक्ष्यू भैया ने मानवता के साथ ही मित्रता की सराहनीय मिसाल प्रस्तुत की. विदर्भ स्वाभिमान की ओर से जय भोलेनाथ ग्रुप तथा वीएनके ग्रुप का दिल से अभिनंदन. स्वार्थ से भरी इस दुनिया में मित्रता के लिए शिव महापुराण कथा जैसे लाखों रूपए के खर्च वाला कार्यक्रम करना और संबंधित परिवार तक को पता नहीं चलने देने का महान कार्य निर्मल, मित्रता कोसमर्पित ग्रुप ही कर सकता है. सोने पर सुहागा गुरूदेव शिव गुरूजी ने कर दिया. पहले दिन से ही भक्तों की संख्या बढ़ी और अंतिम दिन सुबह की कथा रहने के बाद भी भक्तों का रिकार्ड टूटा. मित्रों में लक्षुभैया दिलदार मित्र हैं, वहीं कर्म के प्रति समर्पित हैं. उनके साथ रहने से जो उर्जा मिलती है, वह अलग ही है. भोले भक्ति के साथ ड्यूटी को अपनी पूजा मानने का बेहतरीन कांबिनेशन उनमें ही दिखाई देता है. गुरूदेव की वत्सलता का अनुमान इसी बात से लगाया जा सकता है कि ज्ञानशांति उपवन केएक भक्त की खातिर सभी कार्यक्रम रद्द कर वहां पहुंचे. उनकी उपस्थिति ने यहां रहने वाले अपनों से व्यथित माता-पिता का न केवल संबल बढ़ाया बल्कि वचन देकर आ गए कि अगली बार जब भीअमरावती में कथा होगी, वे इस बुजुर्गों के मंदिर में एक घंटे सत्संग करेंगे. धन्य हैं महाराजजी. आज धर्म का ज्ञान लोग दूसरों को देते हैं लेकिन स्वयं के जीवन में नहीं उतारते हैं. शिव गुरूजी महाराज गौमाता के भक्त के साथ रिश्तों को भी समर्पित भाव से निभाने का अनुभव आया. कथा की सफलता जहां भोलेनाथ का प्रसाद है, वहीं दूसरी ओर सौभाग्यशाली मानता हूं कि कथा के माध्यम से लक्षुभैया,प्रा. रवि कोल्हे सहित वीएनके ग्रुप,जयभोलेनाथ ग्रुप जैसे ऐसे मित्र मिले, जो मेरे लिए जीवन की अनमोल कमाई से कम नहीं है. लक्षु भैया आपका दिल से अभिनंदन.

सुभाष दुबे, संपादक

विदर्भ स्वाभिमान

जाहीर सुचना	10x2	500
जाहीर सुचना	15x2	1000
बच्चों का जन्मदिन	10x2	500
शादी की वर्षगांठ	10x2	500
नाम में बदल	10x2	500
गुमशुदा	10x2	400
श्रध्दांजलि	10x2	500
पुण्यस्मरण	15x2	1000

अधिक जानकारी के लिए संपर्क करें
विदर्भ स्वाभिमान, छाया कॉलोनी, अमरावती
मो. 9423426199/ 8855019189

मानवसेवी,माता-पिता भक्त की सादगी करती है प्रभावित

युवा समाजसेवी अभिषेक पंजापी के जन्मदिन पर विशेष

शहर ही नहीं तो व्यवसाय, समाजसेवा, राजनीति के क्षेत्र में जिले में स्वयं की स्वतंत्र पहचान रखने वाले युवा उद्यमी अभिषेक पंजापी ने शून्य से संसार का निर्माण किया. सम्पन्नता में भी कोई व्यक्ति किस तरह मिलनसार, मददगार और किसी भी नेक काम में आगे बढ़ने वाला कैसे हो सकता है. सिंधी समाज ही नहीं तो पूरे शहर में अभिषेक पंजापी को कर्मठ युवा के रूप में पहचाना जाता है. स्थानीय से लेकर सांसद और मंत्री तक परिचय रहने के बाद भी उनकी सादगी, उनका अपनापन लोगों को जोड़ने का काम करता है. उनके जन्मदिन पर विदर्भ स्वाभिमान परिवार की करोड़ों मंगलय हार्दिक शुभकामनाएं. वे जीवन में स्वस्थ रहें, मस्त रहें, प्रभु चरणों में यही कामना.

माता-पिता के भक्त हैं

वे बताते हैं कि जो बेटा माता-पिता को खुश कर ले, उनकी सेवा का पुण्य प्राप्त कर ले, उसी कहीं जाने की जरूरत नहीं है. वाहे गुरू

उसकी हर इच्छा पूरी करते हैं, इसका स्वयं उसने अनुभव किया है. माता-पिता, परिवार से बड़ा सुख नहीं होने और सभी रिश्तों को जहां अभिषेक पूरी ईमानदारी से निभाने का प्रयास करता है, वहीं दूसरी ओर लाखों की संख्या में मित्र उसने तैतायर किया है, जो उसके एक शब्द पर तैयार रहते हैं. माता-पिता की सेवा से बड़ा धर्म नहीं हो सकता है. संस्कृति और संस्कारों का जीवन में अत्याधिक महत्व रहता है. यह कहना है माता-पिता की सेवा में समर्पित सुपुत्र अभिषेक पंजापी का. पिता के साथ ही माता की सेवा में लगातार स्वयं को झों कने वाले अभिषेक शहर के जाने-माने युवा उद्यमी और समाजसेवी हैं. अनगिनत संगठनों के पदाधिकारी के साथ ही मानव सेवा के कामों में भी सदैव अग्रणी रहते हैं. उनका कहना है कि हम जब अच्छा करते हैं तो हमारे साथ भी सदैव अच्छा ही होता है. भाजपा की विचार धारा रखने के साथ ही भाजपा के वरिष्ठ नेताओं के साथ ही करीबी संबंध रखने वाले रामपुरी कैम्प निवासी अभिषेक पंजापी सेवा के कामों में भी सदैव अग्रणी रहते हैं. इससे क्षेत्र ही नहीं तो शहर में भी लोकप्रिय हैं. वे कहते हैं नेक इरादों के साथ किया गया कोई भी कार्य प्रभु द्वारा असफल नहीं होने देने का विश्वास ही उन्हें सदैव आगे बढ़ाता रहा है. शहर के सामाजिक उपक्रमों में जहां अभिषेक पंजापी ने अपना नाम चमकाया है, वहीं सक्रिय समाजसेवी युवक के रूप में उनके कार्यों की सराहना न केवल अमरावती बल्कि विदर्भस्तर पर होती है. जन्मदिन पर शुभकामनाएं.

निविदा-सुचना, (पहिली वेळ)

द्वि-लिफाफा पद्धतीचे-बी-वन-निविदा.

गट ग्रामपंचायत-चटवाबोड पं.स.धारणी जि.प.अमरावती.-४४४७०२,

गट,ग्रामपंचायत-चटवाबोड ता.धारणी जि.अमरावती.सन-२०२४-२५,वा वित्त आयोग व ५ % पेसा अबंध निधी अंतर्गत प्राप्त निधीतुन प्रस्तावित विकास कामाकरिता जि.प.(बांधकाम-विभाग,) अमरावती यांच्याकडे नोंदणीकृत वर्ग-७,व त्यावरील वर्गवारीत नोंदणीकृत असलेल्या कंत्राटदाराकडुन बि-वन-निविदा द्वि-लिफाफा पद्वतीने खालील वेळापत्रकानुसार निविदा मागविण्यात येत आहे.त्याच प्रमाणे अधिकृत/नोंदणीकृत साहित्ये पुरवठाधारकारक किंव सेवा पुरवठाधारकांकडुन सुद्धा,द्वि-लिफाफा पद्वतीने खालील वेळापत्रकानुसार निविदा मागविण्यात येत आहे.

(कामाचे वाटप हे सुशिक्षीत बेरोजगार अभियंता,मजुर संस्था,व खुले कंत्राटदार यांना,शासन निर्णयानुसार-४०:३३:२७, राहील.)

अ.क्र.	योजनेचे नांव व वर्ष		कामाचे नांव	अंदाजपत्रकिय किंमत	निविदा किंमत	१% अनामत रक्कम	निविदा स्विकारण्याचे दिनांक	निविदा उघडण्याचे दिनांक
१	१५, वा वित्त आयोग, सन-२०२४-२५,	१	जि.प.शाळेत शौच्छालय बांधकाम करणे-पाडीदम.	२०००००	१००	२०००	दि.-०८/१०/२०२४ ते दि.-१४/१०/२०२४ पर्यंत. वेळ सकाळी-११.०० ते.दुपारी-३.०० वाजे. पर्यंत.	दिनांक:-१५/१०/२०२४ रोजी सकाळी ठिक-११.०० वाजता.
		२	सिमेंट काँक्रीट नाली बांधकाम करणे.-चटवाबोड.	३०००००	१००	३०००		
		३	सिमेंट काँक्रीट नाली बांधकाम करणे.-केकदाबोड.	३०००००	१००	३०००		
		४	सर्व शाळा व अंगनवाडीला R/O,युनिट बसविणे.	४०००००	१००	४०००		
		५	ग्रामपंचायत कार्यालयाला-ISO,करणे.	३०००००	१००	३०००		
		६	ग्रा.प.ला संगणक व इतर साहित्ये खरेदी करणे.	२०००००	१००	२०००		
		७	ग्रा.प.कार्यालयात सोलर पॅनल व लाईट फिटींग करणे.	३०००००	१००	३०००		
		अ)	**गांव-चटवाबोड**					
२	५%, वा पेसा अबंध निधी, सन-२०२४-२५,	१	ग्रामपंचायत विद्युतिकरण करणे.चटवाबोड	३५०००	१००	३५०		
		२	बिरसा मुंडा ओटा दुरुस्ती करणे.-चटवाबोड	१५०००	१००	१५००		
		४	पेसा व वन हक्क कायदा प्रशिक्षण देणे.चटवाबोड	१८५०००	१००	१८५०		
		५	जि.प.शाळा विद्युतीकरण करणे-चटवाबोड	५५०००	१००	५५०		
		६	रेन वॉटर हार्वेस्टींग करणे-चटवाबोड	१०००००	१००	१०००		
		७	हात पंप ओटा बांधकाम करणे.चटवाबोड	८५०००	१००	८५०		
		ब)	**गांव-केकदाबोड**					

शेष पेज 5 पर

कर्म अच्छा तो धर्म अच्छा

जिनका मन है निर्मल,भाव में रहता है सेवाभाव

स्वार्थ भरी दुनिया में बहुत कम लोग निर्मल, निःस्वार्थ रूप से अपना कार्य करते हैं. सौ. अनुराधा हेमंतकुमार पटेरिया निर्मल मन और सेवाभाव का व्रत पालने वाली महिला हैं. सेवा का भाव सदैव उन्हें सुकून देता है. उनके जन्मदिन पर विदर्भ स्वाभिमान परिवार की हार्दिक शुभकामनाएं. वही मनुष्य है कि जो मनुष्य के लिए जिए का सिद्धांत उन पर पूरी तरह से बैठता है. न्यू गणेश कॉलोनी निवासी सौ. पटेरिया परशुराम अन्नदान समिति के माध्यम से जहां गरीबों के भोजनदान यज्ञ में सेवा देती हैं, वहीं दूसरी ओर समाज कामों में भी सदैव अग्रणी रहती हैं. उनका मानना है कि अहंकार की बजाय समाज एकता से मजबूत होता है. भाभी का मिजाज सख्त है लेकिन भीतर से ममता, प्रेम, अपनापन, किसी के दर्द को महसूस करने के साथ मदद को सदैव तत्पर रहती हैं.उनका कोमल मन सदैव किसी के लिए भी दुःखी होता है. किसी का दुःख वह देख नहीं पाती हैं.शहर में जिझौतिया ब्राह्मण समाज की सेवास्तंभ और समाज के कामों में सदैव अग्रणी रहने वाले परिवार के रूप में पटेरिया परिवार का उल्लेख किया जाता है. भाभीजी कहती हैं कि प्रभु ने जितना समर्थ किया है, इसमें अगर किसी को मदद की जा सकती है तो करने का प्रयास करना चाहिए. बिना किसी तरह के प्रचार के वे सामाजिक कामों में सदैव अग्रणी रहती हैं. भाभी को जन्मदिन पर करोड़ों मंगलमय हार्दिक शुभकामनाएं. आप स्वस्थ रहें, मस्त रहें, मां जगदंबा की आप तथा परिवार पर सदैव कृपा बनी रहे, प्रभु चरणों में यही कामना.जन्मदिन की मंगलमय हार्दिक शुभकामनाएं.

विदर्भ स्वाभिमान,अमरावती.

निर्मल मन,सेवाभाव से परिपूर्ण,जिझौतिया ब्राह्मण समाज की पूर्व अध्यक्ष,सेवाभावी

सौ. अनुराधा हेमंत कुमार पटेरिया

को जन्मदिन की हार्दिक

शुभकामनाएं

शुभेच्छुक- **विदर्भ स्वाभिमान**

पेज 4 से जारी

५%, वा पेसा अबंध निधी, सन-२०२४-२५,	१	अंगनवाडी केंद्र विद्युतीकरण करणे.केकदाबोड	१०००००	१००	१०००	दि.-०८/१०/२०२४ ते दि.-१४/१०/२०२४ पर्यंत. वेळ सकाळी-११.०० ते.दुपारी-३.०० वाजे. पर्यंत.	दिनांक:-१५/१०/२०२४ रोजी सकाळी ठिक-११.०० वाजता.
	२	पाणी पुरवठा मोटार व इतर साहित्ये खरेदी करणे.केकदाबोड	३८०००	१००	३८०		
	३	पेसा व वन हक्क कायदा प्रशिक्षण देणे.केकदाबोड	१३८०००	१००	१३८०		
	४	जि.प.शाळा शौच्छालय दुरुस्ती करणे-केकदाबोड	७५५००	१००	७५५		
	५	वृक्ष लागवड साठी ट्रि गार्ड बनविणे.केकदाबोड.	१३७५००	१००	१३७५		
	क)	**गांव-पाडीदम.**					
५%, वा पेसा अबंध निधी, सन-२०२४-२५,	१	पाणी पुरवठा बोअर वेल जवळ मिटर घर बनविणे.पाडीदम.	७८०००	१००	७८०		
	२	पेसा व वन हक्क कायदा प्रशिक्षण देणे.-पाडीदम.	७८०००	१००	७८०		
	३	जि.प.शाळेला विद्युतीकरण करणे.-पाडीदम.	५००००	१००	५००		
	४	वृक्ष लागवड साठी ट्रि गार्ड बनविणे.पाडीदम.	७८०००	१००	७८०		
	ड)	**गांव-कसाईखेडा.**					
५%, वा पेसा अबंध निधी, सन-२०२४-२५,	१	अंगनवाडी किसच सेड बांधकाम करणे-कसाईखेडा.	१५००००	१००	१५००		
	२	पेसा व वन हक्क कायदा प्रशिक्षण देणे.-कसाईखेडा.	१५००००	१००	१५००		
	३	अंगनवाडी केंद्र विद्युतीकरण करणे.-कसाईखेडा.	१००००	१००	१००		
	४	वृक्ष लागवड साठी ट्रि गार्ड बनविणे.कसाईखेडा.	१५००००	१००	१५००		

निविदेचे अटि व शर्ती :-

१) निविदा ही विहित कालावधीत कार्यालयीन वेळेवर सकाळी-११.०० ते दुपारी-३.०० वाजे पर्यंत सादर करावे.

२) निविदा सादर करतांना अनामत रक्कम-१% डि.डि.किंवा नगदी स्वरुपात जमा करणे,व पोच पावती सोबत जोडणे आवश्यक राहील.

३) निविदा सिल बंद द्वि-लिफाफा पद्धतीने सादर करावे.अन्यथा नाकारण्यात येईल.

४) प्रथम तांत्रिक लिफाफा उघडण्यात येईल.व ते योग्य असल्यास आर्थिक लिफाफा उघडण्यात येईल.

५) अंदाजपत्रका पेक्षा जास्त दाराचा निविदा स्विकारल्या जाणार नाही.

६) धारणी तालुक्यातील मजुर संस्था/सुशिक्षीत बेरोजगार अभियंता/खुले कंत्राटदार,यांना प्रथम प्राधान्य देण्यात येईल.

७) निविदा ना-मंजुर झाल्याबाबत कोणत्याही प्रकाराचे पत्र व्यवहार केल्या जाणार नाही.

८) निविदा मंजुर झाल्यावर विहित नमुन्यात-१०० रुपयाच्या स्टॅम्प पेपरवर करारनामा सादर केल्यानंतरच कार्यारंभ आदेश निर्गमित करण्यात येईल.

९) कंत्राटदाराचे/साहीत्ये परवठाधारकाचे/सेवा परवठाधारकाचे देयकार रक्कमहि प्राप्त अनदानाचे उपलब्धते नसारच अदा करण्यात येईल.

१०) सर्व शासकीय कपाती हे (Incom-Tax/TDS-2%,GST-2%,Insurance-1%,Labour cess-1%,Royalty,Sel Tax,etc.) देय रक्कमेतुन/बिलातुन कपात करण्यात येईल.

११) कोणतेही कारण न-देता निविदा स्विकारणे किंवा प्राप्त निविदा पैकी कोणतेही किंवा सर्व निविदा रद्द करण्याचा किंवा फेटाळण्याचा अधिकार सर्वस्व: ग्रामपंचायतने राखुन ठेवले आहे.

स्वा/-
सरपंच
(श्री.घिसुलाल कुंजीलाल भिलावेकर.)
गट-ग्रा.प.चटवाबोड ता.धारणी जि.अमरावती.

स्वा/-
ग्रामपंचायत-अधिकारी,
(श्री.आर.एस.कानेकर.)
गट-ग्रा.प.चटवाबोड ता.धारणी जि.अमरावती.

महाराष्ट्र शासन
नरेंद्र मोदी
प्रधानमंत्री
एकनाथ शिंदे
मुख्यमंत्री
एक रुपयात प्रधानमंत्री पीक विमा योजना
बळीराजा
निश्चिंत राहणार
खरीप हंगाम २०२३ मध्ये राज्यात १.७१ कोटी शेतकऱ्यांचा सहभाग.
१.१५ कोटी शेतकऱ्यांना रु.७३९३.५१ कोटी नुकसान भरपाई मंजूर, त्यापैकी ९६.७७ लाख शेतकऱ्यांना रु.५३०२.९२ कोटी वितरीत.
आपलं सरकार
लाडकं सरकार
अजित पवार
उपमुख्यमंत्री
एकनाथ शिंदे
मुख्यमंत्री
देवेंद्र फडणवीस
उपमुख्यमंत्री
/MahaDGIPR
mahasamvad.in
MAHARASHTRADGIPR
माहिती व जनसंपर्क महासंचालनालय, महाराष्ट्र शासन

समाजसेवी दिलदार यार हैं संजयभाऊ

ज़ीवन में अगर हम किसी के चेहरे पर मुस्कराहट का माध्यम नहीं बन सकते हैं तो किसी की आंखों में आंसू का कारण नहीं बनना चाहिए. धन,दौलत ही सब कुछ नहीं होती है. रिश्ते, परिवार तथा समाज में समर्पण का भाव हो तो हर जगह खुशी मिलती है. जीवन में धन दौलत खुशी का माध्यम नहीं बनते हैं. लेकिन दिल से निभाया गया रिश्ता सदैव खुशी का माध्यम बनता है. जितना संभव हो हमारी क्षमता के मुताबिक स्वयं के साथ ही समाज कार्य में भी योगदान देने का प्रयास करना चाहिए. संजय राठी का स्वभाव जितना विनम्र है, उतने ही यारों के दिलदार यार हैं. वे कहते हैं कि हर व्यक्ति को सामाजिक ऋण भी उतारने का प्रयास करना चाहिए. उनका 11 अक्तूबर को जन्मदिन है, विदर्भ स्वाभिमान परिवार की मंगलमय हार्दिक शुभकामनाएं. आप स्वस्थ रहें,मस्त रहें, प्रभु चरणों में यही कामना.

जन्मदिन पर विशेष, क़र्म को मानते हैं पूजा, माता-पिता को जीवन में देते हैं महत्व

ज़ीवन में धनदौलत नहीं बल्कि कुछ लोगों का स्वभाव अन्यों को प्रेरणा देता है. ऐसे ही लोगों में शामिल हैं हमारे मित्र संजय राठी. दुबले-पतले लेकिन उच्च विचार रखने वाले संजय राठी सामाजिक एकता और राष्ट्रधर्म को सर्वोपरि मानते हैं. वे कहते हैं कि राष्ट्र सुरक्षित तो हम सुरक्षित. सुरक्षित रहने पर ही व्यक्ति अच्छा कर पाता है. संजय राठी. ब्रजलाल बियाणी विज्ञान महाविद्यालय में सेवा देने के साथही माहेश्वरी पंचायत के सहसचिव सहित कई संगठनों में सेवाभावी कामों में सदैव समर्पित रहते हैं. बातचीत में सादगी के साथ ही अथक मेहनत, लगन और ईमानदारी उनकी खूबी है. उनकी विनम्रता किसी को भी प्रभावित करती है. समाज की बात हो या कार्यालयीन कामकाज, परफेक्टनेस में उनका कोई सानी नहीं है. यही कारण है कि संस्था अध्यक्ष के साथ ही प्राचार्य और साथी कर्मचारियों के भी चहेते हैं. संजय राठी मेरे मित्र के साथ ही सेवा तथा समर्पण कैसा होना चाहिए, यह कोई उनसे सीखे. वे कहते हैं कि जीवन प्रभु का सुंदर उपहार है, जितना हो सकता है स्वयं के साथ ही समाज और राष्ट्र के लिए करने का प्रयास हर व्यक्ति को करना चाहिए. सेवाभाव, सदैव सामाजिक सोच के साथ ही आत्मीयता के सागर के रूप में संजय राठी का उल्लेख किया जा सकता है. उनके दिल में जहां अपार प्रेम रहता है, वहीं दूसरी ओर समय प्रबंधन और अनुशासन के मामले में सख्त रहते हैं.समाज के मंच पर जहां संजय राठी सदैव सक्रिय रहते हैं, वहीं दूसरी ओर कर्म को ही पूजा मानते हैं, इसलिए सेवा के मामले में भी कभी समझौता नहीं करते हैं. उनका बुधवार 11 अक्तूबर को जन्मदिन है, विदर्भ स्वाभिमान परिवार की उन्हें मंगमलय हार्दिक शुभकामनाएं. वे स्वस्थ रहें, मस्त रहें और समाज के लिए सदैव सेवाभाव के साथ करते रहें. उनके मुताबिक व्यक्ति का स्वभाव अच्छा रहने पर उसका प्रभाव पड़ता ही है.पद प्रतिष्ठा यहां लोग देखते हैं लेकिन स्वभाव की सराहना सर्वत्र होती है.माता-पिता को जीवन में सबसे बड़ा और महत्वपूर्ण मानने वाले संजय राठी माता-पिता के भक्त हैं. उनके मुताबिक हमारे धर्म, संस्कार और आचरण ही हमें इन्सान बनाते हैं. इन तीनों का जहां संतुलन होता है, वह समाज सदैव आगे बढ़ता है. माहेश्वरी पंचायत के अध्यक्ष तथा अन्य पदाधिकारी के अभी तक हजारों लोगों की मदद की बात हो, दिव्यांगों की मदद का विषय हो, उनकी भागदौड़ दिनभर सेवाभाव से रहती है. हमारे लिए तो वे प्रेरणास्थान है. उनके जन्मदिन पर उन्हें मंगलमय हार्दिक शुभकामनाएं.विश्वसनीयता के मामले में संजय राठी सबसे विश्वसनीय व्यक्ति कहना गलत होगा. उनकी विनम्रता और सहयोग करने वाली भावना के कारण आज माहेश्वरी समाज में जहां अपार लोकप्रिय हैं, वहीं दूसरी ओर अपने स्वभाव के कारण बाकी लोगों के लिए भी प्रेरणा देने का काम करते हैं. वे कहते हैं कि माता-पिता ने जन्म दिया, पाला पोसा और इस लायक बनाया कि समाज हमें पहचान सके, ऐसे में जो व्यक्ति अपने माता-पिता का नहीं हो सकता है, दुनिया में वह किसी का भी नहीं हो सकता है. इसलिए माता-पिता को पहले सम्मान और उनका आदर करना चाहिए. ज़ीवन में विश्वास को अत्याधिक महत्व देते हैं, शहर ही नहीं तो माहेश्वरी समाज के जिलास्तर के पदाधिकारी के साथ ही समाज संगठन की हर गतिविधियों में सक्रिय रहने वाले संजय राठी का कहना है कि मानवता की सेवा से बड़ा धर्म नहीं है. किसी को मदद करने, किसी प्यासे को पानी पिलाना, किसी नेत्रहीन को रास्ता पार कराना भी किसी पुण्य से कम नहीं है. उन्हें जन्मदिन की करोड़ों मंगलमय हार्दिक शुभकामनाएं.आप स्वस्थ रहें, मस्त रहें, यही कामना.

विदर्भ स्वाभिमान डेस्क

मेष

इस राशि के लोगों के लिए यह सप्ताह बेहतरीन फलदायी रहने वाला है. वाहन से सावधानी बरतने के साथ काम पर ध्यान देना लाभदायी होगा.

वृषभ

भावी योजनाओं के लिए पूरी ईमानदारी से काम करेंगे. दूसरों की भावनाओं का सम्मान करेंगे.रिश्तों में चल रही गलतफहमी दूर होगी.

मिथुन

अपनों के बारे में चिंता की संभावना है.यह स्थिति कैरियर के लिए नुकसानदेह हो सकती है. छात्रों को स्पर्धा परीक्षा के लिए की गई मेहनत का पूरा फायदा मिलने वाला है.

कर्क

दिखावे के चक्कर में कर्ज का बोझ बढ़ाने से बचें. आपसी सहमति नहीं बनने से कार्यस्थल पर विरोधाभासी स्थिति बन सकती है. धार्मिक यात्रा हो सकती है.

सिंह

सप्ताह खुशियों वाला रहेगा. नाहक के विवाद से बचने का प्रयास करना श्रेयस्कर होगा. लीक से हटकर चलना फिलहाल जोखिमपूर्ण है.

कन्या

विरोधी साजिश में फंसाने का प्रयास कर सकते हैं. ऐसे में सतर्कता बरतना जरूरी है. संयम से काम लेना उचित रहेगा. क्रोध से बचना आपके लिए लाभदायी होगा.

तुला

घर और कार्यालय के बीच तालमेल बिठाना जरूरी होगा. किसी से विवाद नहीं करना ही इस समय श्रेयस्कर है.

वृश्चिक

दूसरों को प्रभावित करने के लिए स्वभाव में बदलाव का प्रयास करेंगे. निश्चित कामों में सफलता मिलने की संभावना है. प्रयासों की निरंतरता जरूरी.

धनु

गुस्से से बना बनाया काम बिगड़ सकता है. विनयशीलता और प्रेम से काम लेने का प्रयास करें. वाहनादि धीरे से चलाएं.

मकर

घर के बुजुर्गों के स्वास्थ्य पर ध्यान दें. समय रहते कदम उठाना उचित रहेगा. अपनों से विवाद टालें.

कुंभ

समझदारी के साथ जिद करने से बचें. अपनों का साथ मिलना श्रेयस्कर रहेगा. समय का महत्व समझें.

मीन

दौड़धूप कर रास्ते में आने वाली मुश्किलें दूर हो सकती हैं. व्यापारिक विस्तार की संभावना बढ़ रही है. समय पर फैसला होगा लाभकारी.

संवाददाता चाहिए

अमरावती ही नहीं तो समूचे संभाग में आचार-विचार-आदर्श संस्कारों को बढ़ावा देने वाले हिंदी साप्ताहिक के रूप में पाठकों का प्यार पाने वाले विदर्भ स्वाभिमान को जिले की अचलपुर, चिखलदरा, चांदुर बाजार,वरूड़ में संवाददाताओं की नियुक्ति करनी है. सामाजिक दायित्व को महत्व देने वाले इच्छुक युवक-युवतियां संपर्क कर सकते हैं. आवेदन के साथ पासपोर्ट फोटो जरूरी है. इच्छुक अपना आवेदन हमें इस पते पर भेज सकते हैं. प्राप्त आवेदनों की जांच करने के बाद फैसला लिया जाएगा. सामाजिक सरोकार रखने वाले ही संपर्क करें.

हमारा पता

विदर्भ स्वाभिमान अखबार

छाया कॉलोनी, अकोली रोड, गजानन महाराज मंदिर के पीछे, अमरावती.

अच्छा करने वालों का बुरा कभी नहीं होता है

युवा समाजसेवी, उद्यमी, व्यवसायी अभिषेक पंजापी ने कहा, राष्ट्रधर्म है सर्वोपरि

साक्षात्कार

विदर्भ स्वाभिमान,9 अक्तूबर

अमरावती- जिस तरह से एक छोटा सा दीपक भी अंधेरे को भगाने में सक्षम होता है, उसी तरह इन्सान द्वारा किया गया कोई भी नेक काम कभी बेकार नहीं जाता है. उसकी भी गणना होती है और उसका नेक फल भी मिलता है. माता-पिता तथा परिवार हमारे जीवन की खुशियों की कड़ी होते हैं, यार उसे बढ़ाने का काम करते हैं. ऐसे में सभी के साथ ईमानदारी से रहने वाला कई निराश और हताश नहीं हो सकता है. इस आशय की बात शिव स्पोर्टस के संचालक, श्रीपंचदीप महाशिवरात्रि समिति के उपाध्यक्ष के साथ ही दर्जनों सामाजिक,धार्मिक संस्थाओं से जुडकर सेवा कार्य करने वाले अभिषेक पंजापी ने कही. उनके मुताबिक हम सभी दुनिया रूपी ट्रेन में सवार हैं, स्टेशन तथा उतारने का अधिकार ऊपर वाले के हाथ में हैं. जो व्यक्ति यात्री समझकर जीवन का सफर करता है, वह समभाव में रहता है. अभिषेक नानक रामरोटी, पिता की याद में प्याऊ, सेवाभावी उपक्रमों के लिए सदैव तत्पर रहते हैं. लोगों की सहायता से वे गरीबों, विधवा महिलाओं,जरूरतमंदों की मदद के लिए सदैव तत्पर रहते हैं. प्रेरणादायी व्यक्तित्व के रूप में जहां युवाओं के लिए प्रेरणा देने का काम करते हैं, वहीं हजारों लोगों के प्रेरणास्त्रोत हैं.उनकी सक्रियता सामाजिक कामों में देखने लायक रहती है. विदर्भ का राजा की शोभायात्रा हो, महाप्रसाद हो, गरीब की मदद हो, सदैव आगे रहते हैं. वे कहते हैं कि जीवन में सभी को भुलाना लेकिन माता-पिता को कभी नहीं भुलाना चाहिए. परिवार की एकता को खुशी का माध्यम मानते हैं. संयुक्त परिवार को महत्व देने वाले और रिश्तों के मामले में सबसे अधिक संवेदनशील हैं. भाई रवि का जहां अपनी ताकत मानते हैं, वहीं पत्नी को खुशियों तथा परिवार की लक्ष्मी मानते हैं. उनका कहना है कि परिवार में अगर खुशी है तो व्यक्ति हर ऊंचाई सफलता से हासिल करता है. परिवार की खुशी बीमारी को घटाती है, वहीं दूसरी ओर खुशियां और प्रगति को बढ़ाती है. जिन घरों में तनाव होता है, वहीं लक्ष्मी की कृपा नहीं होती है. इसलिए परिवार की खुशी के लिए सभी को योगदान देने का प्रयास करना चाहिए.

राष्ट्रधर्म से बड़ा कुछ नहीं

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को महान राष्ट्रभक्त मानने वाले अभिषेक पंजापी का कहना है कि राष्ट्रधर्म से बड़ा कोई धर्म नहीं हो सकता है. ऐसे में देश के हर नागरिक का पहला कर्तव्य राष्ट्र होना चाहिए. देश सुरक्षित तो धर्म सुरक्षित रहेगा. उस देश की प्रगति को दुनिया में कोई ताकत नहीं रोक सकती है जिस देश का हर व्यक्ति राष्ट्र को समर्पित हो, उसी तरह जिस देश के नागरिक राष्ट्रधर्म के प्रति समर्पित नहीं होते हैं, उस देश का पतन कोई नहीं रोक सकता है. हम सभी भारतीयों को राष्ट्र के प्रति समर्पण और राष्ट्र धर्म का संकल्प लेने की सलाह दी. मानवता की सेवा को सबसे बड़ी सेवा मानने वाले अभिषेक पंजापी ने सभी से यथासंभव मानव सेवा करने का आग्रह किया.

गुणवत्ता विश्वसनीयता तत्पर सेवा

शालेय, महाविद्यालयीन पाठ्य पुस्तक, सामान्य ज्ञान स्पर्धा की विभिन्न किताबे, रजिस्टर, नोटबुक्स, कम्पास सहित सभी प्रकार की फाइलें,बुक्स, स्टेशनरी का एकमात्र विश्वसनीय स्थान. रियायती कीमत तथा तत्पर सेवा ही हमारी विशेषता है.

--संपर्क--

प्रथमेश बुक व जनरल स्टोअर्स, रविनगर चौक, अमरावती.

सन् 1967 पासून
अमरावती शहरात
वाजवी दरात सर्वात
जास्त प्लाटस्चे
सौदे करणारे
एकमेव इस्टेट एजंट
संजय
एजंसीज्
टाऊन हॉल समोर, नेहरू
मैदान,अमरावती.फोन

राजपुरोहित स्टुडियो
फोटोग्राफी की आधुनिकतम साज-सज्जा के साथ ही रियायती कीमत में बेहतरीन गुणवत्ता की विडियो शूटिंग के लिए शहर ही नहीं तो समूचे विदर्भ में एकमात्र विश्वसनीय केन्द्र.फोटोग्राफी, विडियो शूटिंग के साथ अलबम के काम किए जाते हैं.
राजपुरोहित फोटो स्टुडियो
शारदा नगर, रघुवीर मोटर्स के पास,अमरावती.अमरावती.
मो.9028123251

हर गुरूवार नियमित पढ़िये विदर्भ स्वाभिमान

पूज्य बाबूजी के आदर्श विचार

संयुक्त परिवार रहने के बाद जहां आदर्श संस्कार, विचार मिलते हैं, वहीं अनुशासन के माध्यम से जीवन संवारने का कार्य संयुक्त परिवार ही करता है. आज संस्कारों के पतन का सबसे बड़ा कारण स्वतंत्रता की चाह है. स्वतंत्रता स्वछंदता बनकर पति-पत्नी में तनाव, बच्चे बेकार जा रहे हैं, युवा पीढ़ी माता-पिता को जब उनके माता-पिता का सम्मान करते नहीं देखती है तो वह भी माता-पिता के सम्मान से दूर होती है. घर में सास-बहू अगर मां-बेटी के रूप में रहने लगे तो निश्चित ही परिवार ही स्वर्ग हो जाता है. इसके विपरीत होने पर बेटा घर में आने की बजाय बाहर समय बिताने में दिलचस्पी रखता है. फैसला आपका, क्यों कि परिवार भी आपका है.

विदर्भ स्वाभिमान

❖ अमरावती, गुरूवार 3 से 9 अक्तूबर 2024 ❖वर्ष :15 ❖ अंक- 15 ❖ पृष्ठ 8 ❖ मूल्य - 4/- पोस्टल रजि.नं ATI/RNP/268/2022-2024 ❖डाक : शुक्रवार-शनिवार

समूचे भारत में माता-पिता की सेवा के महात्म्य और उनके आशिर्वाद की महत्ता को बढ़ावा देने वाले, भारतीय संस्कृति, धर्म और सामाजिक अच्छाईयों को समर्पित तथा इसे ही बढ़ावा देने के संकल्प के साथ 14 वर्षों से पत्रकारिता का गौरव बढ़ाने वाला एकमात्र समाचार पत्र. मानवता की सेवा, पशुओं की रक्षा के साथ ही बच्चों पर आदर्श संस्कार के लिए प्रयासरत है. आप भी माता-पिता की सेवा से जुड़े अपने विचार हमें भेज सकते हैं. मानवता की सेवा वाले प्रसंगों को भी प्रकाशित करेंगे. इस मानवीयता के नेक काम में आप विज्ञापन के माध्यम से हमें सहयोग देकर इस कड़ी को बढ़ाने का प्रयास करें.

पद, प्रतिष्ठा न कभी किसी के साथ हमेशा रही है न रहती है. लेकिन जिन लोगों ने पद और प्रतिष्ठा का उपयोग समाजहित में किया रहता है, वे बिना पद के भी सम्मानित रहते हैं. मरने के बाद भी नहीं मरने वाले लोगों में उनका नाम रहता है. इसलिए सदैव अच्छी सोचते हुए अच्छा करना चाहिए.

विज्ञापन, आजीवन सदस्य बनने के लिए संपर्क करें

हमारा पता-विदर्भ स्वाभिमान श्रीहरी भवन, छाया कॉलोनी, गजानन महाराज मंदिर के पीछे, जाधव आटा चक्की तथा विदर्भ स्वाभिमान गल्ली, अमरावती.

मोबाइल 9423426199/8855019189/8208407139

Email-vidarbh.swabhiman@gmail.com